

अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार



रजि.न.34300/80 | संख्या 303 | श्री विजयपुरम, शुक्रवार, 13 नवंबर 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

अण्डमान–निकोबार के तीन और समुद्र तटों को प्रतिष्ठित 'ब्लू फ्लैग' प्रमाणन प्राप्त

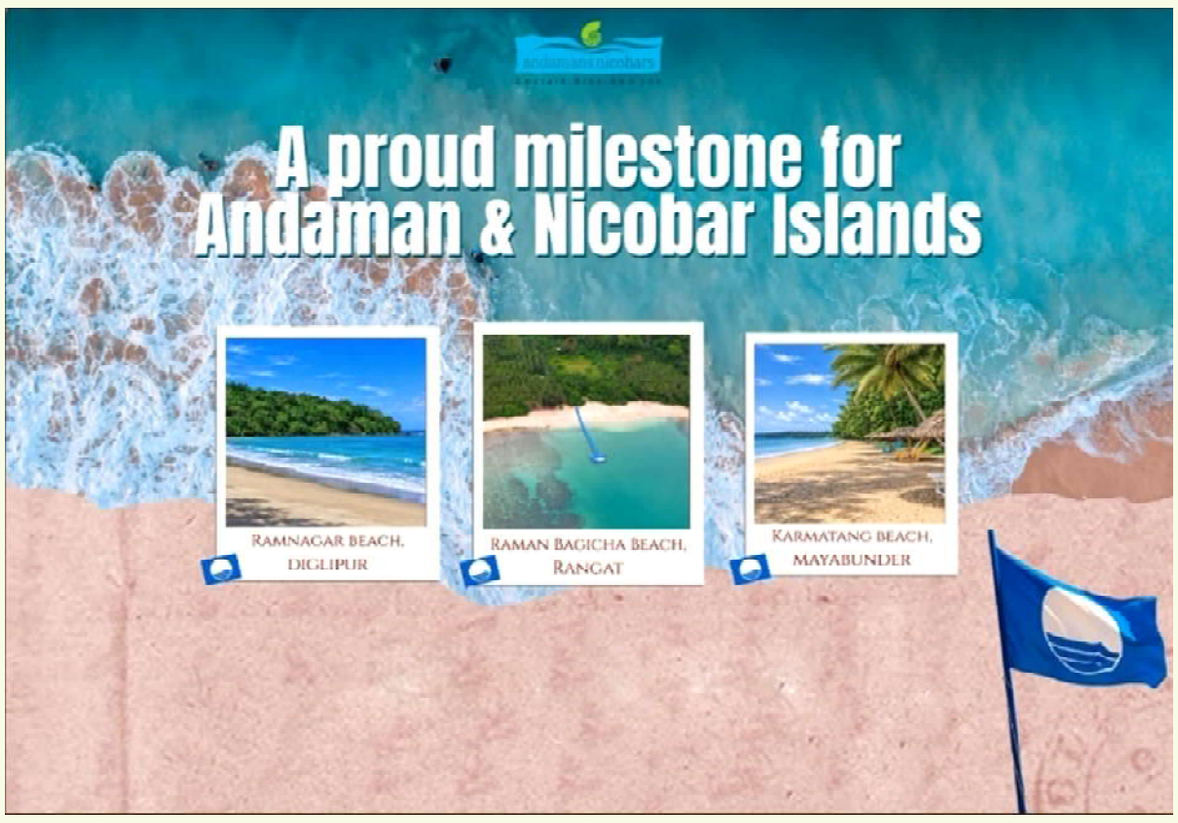
राधानगर समुद्र तट का ब्लू फ्लैग प्रमाणन वर्ष 2026–27 के लिए नवीनीकृत

श्री विजयपुरम, 12 नवंबर।

सतत, उत्तरदायी एवं पर्यावरण अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के तीन और समुद्र तटों को वर्ष 2026–27 के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठित 'ब्लू फ्लैग' प्रमाणन की सूची में शामिल किया गया है।

इन तीन समुद्र तटों में उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले के डिगलीपुर स्थित रामनगर समुद्र तट, मायाबंदर स्थित कर्माटांग समुद्र तट तथा रंगत स्थित रामन बगीचा समुद्र तट शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, दक्षिण अण्डमान ज़िले के स्वराज द्वीप स्थित प्रसिद्ध राधानगर समुद्र तट का ब्लू फ्लैग प्रमाणन भी वर्ष 2026–27 की अवधि के लिए सफलतापूर्वक नवीनीकृत किया गया है। यह उपलब्धि सतत तटीय पर्यटन के उभरते गंतव्य के रूप में द्वीपसमूह की पहचान को और सुदृढ़ करती है।

'ब्लू फ्लैग' प्रमाणन एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यावरणीय गुणवत्ता चिह्न है, जो उन समुद्र तटों को प्रदान किया जाता है, जो पर्यावरण एवं गुणवत्ता संबंधी 33 कठोर मानदंडों को पूरा करते हैं। इनमें पर्यावरण शिक्षा एवं जागरूकता, स्नान के लिए जल की गुणवत्ता, पर्यावरण प्रबंधन, सुरक्षा तथा पर्यटकों के लिए उपलब्ध सुविधाएं शामिल हैं। यह प्रमाणन समुद्र तटों पर उच्च स्तरीय स्वच्छता, पर्यावरणीय स्थिरता एवं पर्यटकों की सुरक्षा बनाए रखने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।



यह उपलब्धि अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के पर्यटन विभाग, वन विभाग तथा ग्रामीण विकास विभाग एवं पंचायती राज संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों एवं विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय का परिणाम है। इन विभागों के सामूहिक प्रयासों से समुद्र तटों के बुनियादी ढांचे में सुधार, पर्यावरण प्रबंधन उपायों को सुदृढ़ करने तथा निर्धारित प्रमाणन मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान मिला है।

भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी) ने भी जल गुणवत्ता के नमूने एकत्रित करने एवं उनकी जांच करने के साथ–साथ उपर्युक्त समुद्र तटों का सुरक्षा एवं जोखिम आकलन करके महत्वपूर्ण तकनीकी सहयोग प्रदान किया। ये सभी गतिविधियां प्रमाणन प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा रहीं।

सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस उपलब्धि से अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह को एक प्रमुख सतत पर्यटन गंतव्य के रूप में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक पहचान मिलने की उम्मीद है। साथ ही, इससे ज़िम्मेदार पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा, द्वीपसमूह के संवेदनशील तटीय एवं समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण को मजबूती मिलेगी तथा पर्यटकों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं पर्यावरण अनुकूल समुद्र तटों का अनुभव प्राप्त होगा।

फोटो मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) की संशोधित समय–सारणी जारी

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने पात्र मतदाताओं एवं राजनीतिक दलों से की अपील

श्री विजयपुरम, 12 नवंबर।

आम जनता एवं राजनीतिक दलों को सूचित किया जाता है कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह संघ राज्य क्षेत्र के लिए अर्हक तिथि 1 जनवरी, 2027 के संदर्भ में फोटो मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की समय–सारणी में संशोधन किया है। इस संबंध में 15 अक्टूबर, 2026 को जारी पूर्व समय–सारणी को निरस्त करते हुए संशोधित समय–सारणी जारी की गई है। इस संशोधन का उद्देश्य सभी पात्र नागरिकों, विशेषकर छूट गए मतदाताओं, युवाओं एवं पहली बार मतदान करने वाले पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल करने की सुविधा प्रदान कर मतदाता सूची की शुद्धता एवं समावेशिता सुनिश्चित करना है।

संशोधित समय–सारणी निम्नानुसार हैः–

क्र.सं.	पुनरीक्षण संबंधी गतिविधियां	संशोधित समय–सारणी
1.	एकीकृत प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन	17.11.2026
2.	दावे एवं आपत्तियां दर्ज़ करने की अवधि	17.11.2026 से 16.12.2026
3.	दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण	28.12.2026 तक (अपरिवर्तित)
4.	अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन	04.01.2027 (अपरिवर्तित)

अर्हक तिथि 1 जनवरी, 2027 के संदर्भ में पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल करने तथा आगामी तीन अर्हक तिथियों अर्थात् 1 अप्रैल, 1 जुलाई एवं 1 अक्टूबर, 2027 के लिए अग्रिम आवेदन प्राप्त करने के उद्देश्य से लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21 के अंतर्गत विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत मौजूदा मतदाता सूचियों का पुनरीक्षण किया जाएगा।

शेष पृष्ठ 4 पर

स्वनिधि महोत्सव के माध्यम से रेहड़ी–पटरी विक्रेताओं को पीएम स्वनिधि योजना के प्रति किया गया जागरूक

श्री विजयपुरम, 12 नवंबर।

श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद (एसवीपीएमसी) द्वारा आज वार्ड संख्या–19, भातूबस्ती स्थित पार्षद कार्यालय में पीएम स्वनिधि महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य रेहड़ी–पटरी विक्रेताओं को पीएम स्वनिधि योजना के लाभों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें योजना के अंतर्गत उपलब्ध वित्तीय सहायता एवं अन्य सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ उपाध्यक्ष, श्री विजयपुरम नगरपालिका परिषद श्री वी. वेट्रिवेल ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए रेहड़ी–पटरी विक्रेताओं से सरकार एवं मंत्रालय द्वारा शुरू की गई विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक रहने तथा अपनी आजीविका में सुधार लाने और व्यवसाय को सुदृढ़ बनाने के लिए इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान नगरपालिका परिषद के सामुदायिक आयोजक ने रेहड़ी–पटरी विक्रेताओं को पीएम स्वनिधि योजना की विभिन्न विशेषताओं एवं लाभों की जानकारी दी। इसमें बिना किसी ज़मानत के कार्यशील पूंजी ऋण की उपलब्धता तथा योजना के अंतर्गत ऋण के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही, विक्रेताओं को समय पर ऋण चुकाने तथा डिजिटल लेन–देन अपनाने के महत्व के प्रति भी जागरूक किया गया। इस अवसर पर कुछ लाभार्थियों ने अपने सफलता के अनुभव साझा किए तथा कोविड–19 महामारी के दौरान पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत प्राप्त सहायता पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने बताया



कि समय पर सूक्ष्म ऋण उपलब्ध होने से उन्हें अपने उन व्यवसायों को दोबारा शुरू करने में मदद मिली, जो लॉकडाउन के दौरान बुरी तरह प्रभावित हुए थे। महोत्सव के अंतर्गत योजना के उद्देश्यों की पूर्ति में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं योगदान के लिए पीएम स्वनिधि योजना के तीन सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले लाभार्थियों को सम्मानित किया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का समापन चयनित लाभार्थियों के सम्मान के साथ हुआ। इस अवसर पर रेहड़ी–पटरी विक्रेताओं से पीएम स्वनिधि योजना में सक्रिय रूप से भाग लेने तथा इसके लाभों का अधिकतम उपयोग करने की पुनः अपील की गई। रेहड़ी–पटरी विक्रेताओं एवं नगरपालिका परिषद के अधिकारियों की सहभागिता से पीएम स्वनिधि महोत्सव का समापन सकारात्मक वातावरण में हुआ।

शहीद द्वीप में फोटोग्राफी एवं कैमरा संचालन पर प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रम शुरू

शहीद द्वीप, 12 नवंबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के पर्यटन विभाग द्वारा नोएडा स्थित भारतीय फोटोग्राफी संस्थान (आईआईपी) के सहयोग से आज शहीद द्वीप में फोटोग्राफी एवं कैमरा संचालन पर आठ दिवसीय गहन प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह पहल विश्व बैंक समर्थित प्रमुख योजना 'सूक्ष्म, लघु एवं मझौले उद्यमों के प्रदर्शन को बढ़ावा देने एवं गति प्रदान करने' (रैम्प) के अंतर्गत आयोजित की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु एवं मझौले उद्यमों (एमएसएमई) को सुदृढ़ बनाना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के व्यापक पाठ्यक्रम में कैमरा संचालन, पेशेवर फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, पोस्ट–प्रोडक्शन, ड्रोन इमेजिंग तथा अंडरवाटर फोटोग्राफी एवं एस्ट्रो–फोटोग्राफी जैसे विशेष क्षेत्रों को शामिल किया गया है। भारतीय फोटोग्राफी संस्थान, नोएडा के प्रतिष्ठित प्रशिक्षक श्री



आसिफ खान एवं सुश्री गरिमा चौधरी 68 उत्साही प्रतिभागियों के समूह को व्यावहारिक सत्रों के माध्यम से उद्योग के मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं।

प्रशिक्षण के पहले दिन कैमरा तकनीक की मूलभूत जानकारी पर परिचयात्मक सत्र आयोजित किया गया। इसमें एक्सपोज़र ट्रायंगल के तीन प्रमुख घटकों–अपर्चर, शटर

शेष पृष्ठ 4 पर

व्यापारिक जहाज़रानी (मछली पकड़ने वाले जलयान) नियमावली, 2026 के प्रारूप पर हितधारकों से सुझाव आमंत्रित

श्री विजयपुरम, 12 नवंबर।

भारत सरकार के मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के मत्स्यपालन विभाग द्वारा कोचीन स्थित केंद्रीय मत्स्य जहाज़रानी एवं अभियांत्रिकी प्रशिक्षण संस्थान (सीआईएफएनईटी) तथा जहाज़रानी महानिदेशालय (डीजीएस) के समन्वय से व्यापारिक जहाज़रानी (मछली पकड़ने वाले जलयान) नियमावली, 2026 के प्रारूप को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है। इस संबंध में व्यापारिक जहाज़रानी (मछली पकड़ने वाले जलयान) नियमावली, 2026 का प्रारूप पांच भाषाओं अर्थात् अंग्रेज़ी, हिंदी, तेलुगु, तमिल एवं बंगाली में अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट (https://andamannicobar.gov.in/) तथा मत्स्य विभाग की वेबसाइट (https://anifisheries.andamannicobar.gov.in/) पर अपलोड किया गया है। हितधारकों से इस प्रारूप पर 30 नवम्बर, 2026 तक टिप्पणियां एवं सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। अपने सुझाव एवं टिप्पणियां इच्छुक हितधारक व्यक्तिगत रूप से मत्स्य निदेशालय, अण्डमान लॉ कॉलेज के सामने, मोहनपुरा, श्री विजयपुरम में जमा कर सकते हैं अथवा ई–मेल email at dirfish.and@nic.in के माध्यम से भेज सकते हैं। इसके अतिरिक्त, श्री विजयपुरम में एक हितधारक परामर्श बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें मछुआरों, मछुआरा संघों, सहकारी समितियों तथा अन्य संबंधित हितधारकों की भागीदारी रहेगी। बैठक की तिथि, समय एवं स्थान की जानकारी अलग से प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी जाएगी। प्राप्त विज्ञप्ति में सभी हितधारकों से अनुरोध किया गया है कि वे नियमावली के प्रारूप का अच्छी तरह अध्ययन करें तथा बैठक के दौरान चर्चा के लिए अपने सुझाव एवं विचार तैयार रखें।

द्वीपों के किसानों के लिए मसालों एवं सुगंधित पौधों से आवश्यक तेल निकालने हेतु प्रसंस्करण सुविधा शुरू





श्री विजयपुरम, 12 नवंबर।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान, श्री विजयपुरम अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के किसानों को लाभकारी कृषि विकल्प उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी दिशा में संस्थान की मसाला फसलों से संबंधित सीएसएस–एमआईडीएच (एनएचएम) परियोजना के अंतर्गत आवश्यक तेल निकालने के लिए एक आसवन सुविधा स्थापित की गई है।

'खेत बचाओ अभियान' के अंतर्गत, मसाला फसलों से संबंधित सीएसएस–एमआईडीएच (एनएचएम) परियोजना तथा बागान फसलों पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना के तहत 9 नवंबर, 2026 को 'मसाला एवं बागान फसलों की व्यवस्थित खेती तथा मूल्य संवर्धन के अवसर' विषय पर प्रशिक्षण एवं प्रक्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मसाला एवं बागान फसलों के वैज्ञानिक प्रबंधन की जानकारी प्रदान करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत सीपीघाट स्थित बागवानी अनुसंधान प्रक्षेत्र में हुई, जहां वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम निदेशक डॉ. अजीत अरुण वामन तथा डॉ. पूजा बोहरा ने प्रत्यक्ष प्रदर्शन के माध्यम से वैज्ञानिक तरीके से दालचीनी की छाल निकालने हेतु 'द्वीप सिनरब', यांत्रिक छिलका उतारने वाले उपकरण की सहायता से नारियल का छिलका उतारने तथा नारियल पेड़ पर चढ़ने वाले उपकरण के उपयोग की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त, नारियल की पौधशाला तैयार करने, उन्नत किस्मों, विभिन्न बागान आधारित अंतरवर्तीय फसल प्रणालियों तथा मसाला फसलों की कटाई एवं कटाई के बाद प्रबंधन की तकनीकों का भी प्रक्षेत्र में प्रदर्शन किया गया। किसानों को कृषि–पारिस्थितिकी पर्यटन के विकल्पों के माध्यम से कृषि को पर्यटन के साथ जोड़ने की संभावनाओं से भी अवगत कराया गया।

दूसरे सत्र में किसानों ने संस्थान की प्रक्षेत्र आसवन इकाई का भ्रमण किया, जहां उन्हें आवश्यक तेल निकालने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद तेल की पैकेजिंग एवं उसके विभिन्न उपयोगों की जानकारी दी गई। किसानों को द्विलिंगी एवं बहुवर्षीय बागवानी फसलों में गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री तैयार करने के लिए ग्राफ्टिंग तकनीक तथा काष्ठीय काली मिर्च की संरक्षित खेती का भी प्रदर्शन किया गया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम के समापन सत्र में भा.कृ.अनु.प.–सीआईएआरआई के निदेशक (प्रभारी) डॉ. जय सुंदर ने बागवानी विभागाध्यक्ष डॉ. राज नारायण की उपस्थिति में इस आसवन सुविधा को द्वीपसमूह के हितधारकों के लिए एक उद्भवन सुविधा (इन्क्यूबेशन फैसिलिटी) के रूप में घोषित किया। उन्होंने बताया कि इच्छुक व्यक्ति मसालों एवं सुगंधित पौधों की गुणवत्तापूर्ण कच्ची सामग्री संस्थान भातूबस्ती परिसर में ला सकते हैं तथा मात्र 100 रुपये प्रति बैच के मामूली शुल्क पर उसका आसवन कराकर आवश्यक तेल प्राप्त कर सकते हैं।

इस कार्यक्रम में दक्षिण अण्डमान द्वीप के नौ गांवों से 40 महिला एवं 21 पुरुष प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का समन्वय श्री टी. याघंबरम, प्रधान, कालीकट, श्रीमती रम्या, पंचायती राज संस्था की सदस्य, फादर अरोकियासामी, दिशा–सुरभि तथा सुश्री बेबी रानी बिस्वास, एटीएमए द्वारा किया गया। संस्थान की ओर से श्री उज्ज्वल कुमार, सुश्री श्यामलावती, श्री दिलीप कुमार एवं श्री संदीप कुजूर ने सहयोग प्रदान किया।

सागरिका उत्पादों को ओएनडीसी के माध्यम से देशभर के बाज़ारों तक पहुंचाने के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला संचालित

श्री विजयपुरम, 12 नवंबर।



सागरिका की टीम को अपने उत्पादों को ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) पर उपलब्ध कराने में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से आज उद्योग निदेशालय के सम्मेलन कक्ष में ओएनडीसी पर एक दिवसीय व्यावहारिक क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में अण्डमान तथा निकोबार एम्पोरियम सागरिका के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ–साथ सागरिका एम्पोरियम के लाभार्थियों एवं विक्रेताओं ने भाग लिया।

उद्योग निदेशक श्रीमती ऋतु सिंह ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बताया कि ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) के माध्यम से सागरिका सरकारी एम्पोरियम एक स्थानीय एवं पर्यटकों पर निर्भर केंद्र से देशव्यापी डिजिटल बिक्री मंच के रूप में परिवर्तित हो सकेगा। उन्होंने कहा कि अब तक लकड़ी, नारियल के खोल एवं समुद्री सीपियों से हस्तशिल्प तैयार करने वाले स्थानीय कारीगरों की बिक्री मुख्य रूप से पर्यटकों की मौसमी आवाजाही पर निर्भर रही है। लेकिन ओएनडीसी भौगोलिक सीमाओं को समाप्त करते हुए इन स्वरोज़गार करने वाले द्वीपीय कारीगरों को देशभर के खरीदारों तक पहुंचने का अवसर प्रदान करेगा। इसके लिए वे ओएनडीसी से जुड़े किसी भी अनुप्रयोग के माध्यम से अपने उत्पाद बेच सकेंगे, जिससे पूरे वर्ष मांग बनी रहने तथा उनकी आजीविका को स्थिरता मिलने में मदद मिलेगी। ओएनडीसी के उपाध्यक्ष श्री प्रवीण चौधरी एवं कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री तमन्ना शर्मा ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया तथा अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि यह खुला डिजिटल नेटवर्क पारंपरिक ई–कॉमर्स कंपनियों के मुकाबले कम लागत वाला एक विकल्प उपलब्ध कराता है। अधिक कमीशन शुल्क को समाप्त करने तथा बहुभाषी डिजिटल सहायता प्रदान करने के माध्यम से ओएनडीसी द्वीपसमूह के कारीगरों को अपने प्रामाणिक हस्तशिल्प उचित मूल्य पर बेचने तथा अपने लाभ का अधिक हिस्सा अपने पास रखने में सक्षम बनाता है। तकनीकी सत्र की शुरुआत सागरिका को एक प्रमुख छत्र ब्रांड एवं एकत्रीकरण मंच के रूप में विकसित करने, विक्रेता अनुप्रयोग तथा मुख्यभूमि पर भंडारण सुविधा उपलब्ध कराने संबंधी अनुशंसित मॉडल की पुनः जानकारी के साथ हुई। इसके बाद उत्पाद सूची एवं पैकेजिंग, विपणन एवं दृश्यता, लॉजिस्टिक्स एवं भंडारण, मूल्य निर्धारण तथा श्वेत–लेबल विक्रेता अनुप्रयोग के प्रत्यक्ष प्रदर्शन पर पांच सत्र आयोजित किए गए।

प्रतिभागियों को उत्पादों की सूची तैयार करने, लेबलिंग एवं अनुपालन संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने, डिजिटल नेटवर्क के माध्यम से देशभर के खरीदारों तक पहुंचने, श्री विजयपुरम से मुख्यभूमि तक माल भेजने, उत्पादकों की आय को ध्यान में रखते हुए उचित मूल्य निर्धारित करने तथा विक्रेता अनुप्रयोग के संचालन के संबंध में व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस कार्यशाला से सागरिका की टीम एवं अधिकारियों को ओएनडीसी पर पंजीकरण एवं अपने उत्पादों को शामिल करने की प्रक्रिया में ओएनडीसी द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले सहयोग की भी बेहतर जानकारी मिली। उद्योग विभाग ने ओएनडीसी टीम के दौरे और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के कारीगरों को ओएनडीसी पहल के प्रति जागरूक करने में दिए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

छठ पूजा के मद्देनज़र कार्बाइंस कोव बीच मार्ग पर यातायात प्रतिबंध लागू

श्री विजयपुरम, 12 नवंबर।

दक्षिण अण्डमान के ज़िला मजिस्ट्रेट ने मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा प्रशासन की अधिसूचना संख्या /2008/फा.सं.–32–95ध्2008–टीआर दिनांक 10 मार्च, 2008 के अनुसरण में आगामी छठ पूजा समारोह के दौरान कार्बाइंस कोव तट पर श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए वाहनों की सुचारू आवाजाही एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित यातायात व्यवस्था लागू की है।

कार्बाइंस चौक जंक्शन से कार्बाइंस कोव होते हुए मज़ार पहाड़ तक जाने वाली सड़क को एकतरफा (वन–वे) किया गया है। वाहन केवल कार्बाइंस चौक जंक्शन से प्रवेश कर सकेंगे तथा मज़ार पहाड़ के रास्ते बाहर निकलेंगे। मज़ार पहाड़ की ओर से कार्बाइंस कोव बीच की तरफ आने वाले वाहनों को अनुमति नहीं होगी। हालांकि, दोपहिया वाहनों को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार उक्त अवधि के दौरान इस मार्ग पर भारी मालवाहक वाहनों (एचजीवी) के आवागमन पर प्रतिबंध रहेगा। हालांकि, आवश्यक सेवाओं में लगे वाहनों को इस प्रतिबंध से छूट प्रदान की गई है।

चक्करगांव स्थित चिल्ड्रन्स पार्क से कार्बाइंस कोव रोड तक जाने वाली सड़क सभी वाहनों के लिए बंद रहेगी। हालांकि, दोपहिया वाहनों को आवागमन की अनुमति होगी। दक्षिण अण्डमान ज़िले के ज़िलाधीश द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार उक्त यातायात प्रतिबंध 15 नवंबर, 2026 को दोपहर 2 बजे से 16 नवंबर, 2026 को रात्रि 8 बजे तक प्रभावी रहेंगे। आम जनता से अनुरोध किया गया है कि वे यातायात पुलिस के साथ सहयोग करें तथा निर्धारित यातायात व्यवस्था एवं निर्देशों का पालन करें।

द्वीप बीच गेम्स 2026 स्थगित

श्री विजयपुरम, 12 नवंबर।

जारी विज्ञप्ति में अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय द्वारा आम जनता को सूचित किया गया है कि वंडूर तट पर 13 एवं 14 नवंबर, 2026 को आयोजित होने वाले द्वीप बीच गेम्स 2026 को प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों के कारण स्थगित कर दिया गया है। इससे आम जनता को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया गया है।

विज्ञान केंद्र द्वारा डॉ. सलीम अली की जयंती पर पक्षी अवलोकन कार्यक्रम आयोजित

श्री विजयपुरम, 12 नवंबर।

विज्ञान केंद्र, श्री विजयपुरम द्वारा आज भारत के प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी एवं 'भारत के पक्षी पुरुष' के नाम से विख्यात डॉ. सलीम अली की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर चिड़ियाटापू जैविक उद्यान में पक्षी अवलोकन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न सरकारी एवं निजी विद्यालयों के लगभग 30 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पक्षियों की विविधता, पक्षी प्रजातियों के संरक्षण तथा उनके प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा के महत्व के प्रति जागरूकता पैदा करना था। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार भ्रमण के समापन के बाद विद्यार्थियों की प्रतिक्रिया एवं ज्ञान का आकलन करने के लिए एक परीक्षा आयोजित की गई। इसके आधार पर आरजीटी पब्लिक विद्यालय की अनीशा कुमारी को प्रथम, वीकेवी लम्बा लाइन के प्रवेश को द्वितीय, इन्वेंट पब्लिक स्कूल के दक्ष कुमार को तृतीय तथा राजकीय माध्यमिक विद्यालय, जंगलीघाट के राहुल को सांत्वना पुरस्कार के लिए विजेता घोषित किया गया।

कार्बाइंस कोव समुद्र तट पर छठ पूजा महोत्सव 15 एवं 16 नवंबर को

श्री विजयपुरम, 12 नवंबर।

पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी छठ पूजा समिति, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह द्वारा सूर्य देव की उपासना को समर्पित प्रमुख पर्व छठ पूजा का आयोजन कार्बाइंस कोव समुद्र तट पर किया जाएगा। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह पूजा 15 नवंबर, 2026 को शाम 5.30 बजे से प्रारंभ होकर 16 नवंबर, 2026 को सुबह 5.16 बजे तक आयोजित होगी। छठ पूजा समिति, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह ने सभी श्रद्धालुओं से इस पावन अवसर पर पूजा–अर्चना में शामिल होकर पर्व को श्रद्धापूर्वक मनाने का आग्रह किया है।

खराब मौसम के कारण नौका सेवाओं के परिचालन में हो सकती है देरी एवं बाधा

श्री विजयपुरम, 12 नवंबर।

प्रतिकूल मौसम की मौजूदा परिस्थितियों और तेज हवाओं के कारण हार्बर सेक्टर में संचालित हार्बर/वाहन नौका सेवाओं का परिचालन कठिन हो गया है तथा इससे सुरक्षा संबंधी चिंताएं उत्पन्न हो सकती हैं। ये सेवाएं चाथम, बम्बूफ्लाट, फीनिक्स बे, डंडस पॉइंट और पानीघाट (होप टाउन) को जोड़ती हैं। तदनुसार, हार्बर सेक्टर में संचालित जहाज़रानी सेवा निदेशालय के जलयानों के यात्रा कार्यक्रम में मौजूदा मौसम की स्थिति के आधार पर अल्प सूचना पर देरी होने, अस्थायी रूप से स्थगित किए जाने अथवा रद्द किए जाने की संभावना है। इसके अतिरिक्त, फोरशोर सेक्टर और अंतर–द्वीपीय सेक्टर में संचालित नौका सेवाओं में भी मौसम की स्थिति के आधार पर अल्प सूचना पर देरी, व्यवधान, अस्थायी निलंबन अथवा रद्द किए जाने की संभावना है। उपरोक्त परिस्थितियों को देखते हुए आम जनता एवं पर्यटकों को किसी भी असुविधा से बचने के लिए अपनी यात्रा की योजना तदनुसार बनाने की सलाह दी गई है। जहाज़रानी सेवा निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति में इसमें होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए आम जनता एवं पर्यटकों से सहयोग की अपील की है। यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शहीद द्वीप में फोटोग्राफी एवं कैमरा संचालन ——————पृष्ठ 1 का शेष

स्पीड एवं आईएसओ की कार्यप्रणाली, कैमरे को सही तरीके से पकड़ने एवं संचालित करने की तकनीक तथा व्यावहारिक एक्सपोज़र मीटरिंग की जानकारी दी गई। विशेष रूप से विभिन्न प्रकाश एवं परिवेशीय परिस्थितियों में कैमरे की कार्यप्रणाली को समझने पर ज़ोर दिया गया, ताकि प्रतिभागियों को शुरुआत से ही व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो सके।

क्षमता निर्माण की इस पहल का उद्देश्य स्थानीय युवाओं की तकनीकी दक्षता में उल्लेखनीय सुधार करना है, जिससे वे व्यवहार्य उद्यम स्थापित कर सकें तथा औपचारिक एमएसएमई पंजीकरण के माध्यम से संगठित क्षेत्र से जुड़ सकें। यह पहल रैम्प योजना के उद्देश्यों के अनुरूप है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार स्थानीय प्रतिभाओं को पेशेवर उद्योग मानकों के अनुरूप दक्ष बनाकर यह कार्यक्रम सुनिश्चित करेगा कि द्वीपसमूह के प्रतिष्ठित प्राकृतिक स्थलों एवं समुद्री क्षेत्रों में आने वाले पर्यटकों को उनकी यादगार यात्राओं और खूबसूरत पलों को कैमरे में संजोने के लिए प्रशिक्षित पेशेवर फोटोग्राफर एवं वीडियोग्राफर उपलब्ध हो सकें।

फोटो मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण ——————पृष्ठ 1 का शेष

इस पुनरीक्षण के लिए अर्हक तिथि 1 जनवरी, 2027 निर्धारित की गई है। ऐसे नागरिक, जो निर्धारित अर्हक तिथि तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके होंगे तथा निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं, उन्हें मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए आवेदन करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है, यदि उनका नाम पहले से मतदाता सूची में दर्ज़ नहीं है।

इसके अतिरिक्त, ऐसे भावी मतदाता, जो आगामी अर्हक तिथियों अर्थात् 1 अप्रैल, 1 जुलाई एवं 1 अक्टूबर, 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी करेंगे, वे भी अग्रिम आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

उपर्युक्त अर्हक तिथि के संदर्भ में यदि मतदाता सूची में किसी नाम को शामिल करने का दावा, किसी नाम को शामिल किए जाने पर आपत्ति अथवा किसी प्रविष्टि में दर्ज़ विवरण के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो उसे 16.12.2026 तक, यथोचित रूप से प्रपत्र 6, 7 एवं 8 में प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

इस प्रकार के सभी दावे एवं आपत्तियां संबंधित निर्धारित मतदान केंद्रों पर नियुक्त पदाभिहित अधिकारियों व बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के पास जमा कराए जा सकते हैं अथवा डाक द्वारा अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी या संबंधित सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को भेजे जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, इन्हें ऑनलाइन 'ECINET App' अथवा वेबसाइट https://voters.eci.gov.in के माध्यम से भी प्रस्तुत किया जा सकता है। अधिक जानकारी एवं सहायता के लिए टोल फ्री नंबर 1950 पर संपर्क किया जा सकता है। सभी दावे एवं आपत्तियां निर्धारित अंतिम तिथि तक संबंधित अधिकारी तक पहुंच जानी चाहिए।

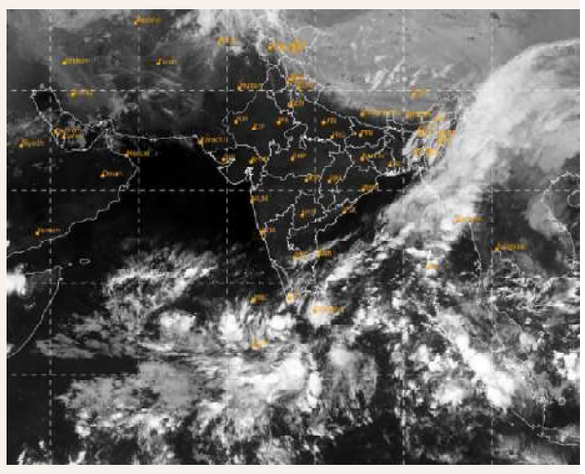
यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दावे एवं आपत्तियां दर्ज़ करने की अवधि के दौरान अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर 21 नवंबर, 2026 (शनिवार) एवं 22 नवंबर, 2026 (रविवार) को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन दिनों बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) मतदाताओं की सहायता के लिए अपने–अपने मतदान केंद्रों पर उपलब्ध रहेंगे।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी पात्र नागरिकों, विशेषकर युवाओं एवं पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं से निर्धारित दावे एवं आपत्ति अवधि के दौरान मतदाता सूची में अपना नाम सुनिश्चित करने की अपील की है। साथ ही, उन्होंने राजनीतिक दलों से भी छूट गए पात्र मतदाताओं, युवाओं एवं पहली बार मतदान करने वाले नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल कराने में सहयोग देने का आग्रह किया है। "मतदाता बनें–मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य सुनिश्चित करें।"

भारी वर्षा जारी रहने की संभावना

श्री विजयपुरम, 12 नवंबर।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में 13, 14, 15 एवं 16 नवंबर को एक–दो स्थानों पर भारी वर्षा (07 से 11 सेमी) होने की बहुत अधिक संभावना है। इसके साथ ही एक–दो स्थानों पर 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज झोंकेदार हवाओं तथा बिजली चमकने के साथ गरज–चमक होने की भी बहुत अधिक संभावना है।17 एवं 18 नवंबर को भी अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में एक–दो स्थानों पर 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज झोंकेदार हवाओं तथा बिजली चमकने के साथ गरज–चमक होने की बहुत अधिक संभावना है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अण्डमान तथा निकोबार तटों के तथा आसपास के समुद्री क्षेत्रों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने तथा कभी–कभी इनकी रफ्तार 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। मछुआरों को 16 नवंबर तक अण्डमान तथा निकोबार तटों के तथा आसपास



के समुद्री क्षेत्रों में समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान का विस्तार, अब तक 35.88 करोड़ से अधिक लोग जुड़े

नई दिल्ली, 12 नवम्बर।

नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ केंद्र सरकार के 'नशा मुक्त भारत अभियान' ने देशभर में 35.88 करोड़ से अधिक लोगों तक अपनी पहुंच बना ली है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से 15 अगस्त 2020 को शुरू किए गए इस अभियान के तहत 14.35 करोड़ से अधिक युवाओं और 11.33 करोड़ महिलाओं को जागरूक किया जा चुका है। इसके अलावा, दो लाख से अधिक नागरिकों ने 'नशा मुक्ति मित्र' के रूप में पंजीकरण कराया है।

मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, अभियान की शुरुआत नशे की समस्या से विशेष रूप से प्रभावित 272 जिलों में की गई थी। अगस्त 2022 में इसका विस्तार 372 जिलों तक किया गया और 15 अगस्त 2023 से इसे देश के सभी जिलों में लागू कर दिया गया।

अधिकारी ने बताया कि पिछले छह वर्षों में यह अभियान संस्थागत भागीदारी वाली पहल से आगे बढ़कर जनभागीदारी आधारित आंदोलन बन गया है। इसके क्रियान्वयन में राज्य सरकारें, जिला प्रशासन, शैक्षणिक संस्थान, नागरिक समाज संगठन और स्थानीय स्तर के विभिन्न समूह सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।

अभियान के तहत वर्ष 2021 में लगभग 1.4 करोड़ लोगों तक पहुंच बनाई गई थी, जो अब बढ़कर 35.88 करोड़ से अधिक हो गई है। यह विस्तार नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने, समुदायों को एकजुट करने और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निरंतर प्रयासों को दर्शाता है।

शैक्षणिक संस्थानों में भी जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अब तक ऐसे संस्थानों में 34.07 लाख से



अधिक जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा चुकी हैं। इनके माध्यम से विद्यार्थियों और युवाओं को नशीले पदार्थों के सेवन के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई है। इन गतिविधियों का उद्देश्य युवाओं को सही निर्णय लेने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नशे से बचाव के प्रति जागरूक करना है।

मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2018 में किए गए भारत में नशीले पदार्थों के सेवन की स्थिति और स्वरूप से जुड़े पहले राष्ट्रीय सर्वेक्षण में इस समस्या की व्यापकता सामने आई थी। सर्वेक्षण के मुताबिक, देश में सात करोड़ से अधिक लोग नशीले पदार्थों के सेवन से जुड़ी समस्याओं से प्रभावित थे। इनमें करीब 1.2 करोड़ बच्चे और 58 लाख महिलाएं शामिल थीं।

इस चुनौती से निपटने के लिए मंत्रालय ने राष्ट्रीय मादक पदार्थ मांग में कमी कार्ययोजना (एनएपीडीडीआर) के तहत नशा मुक्त भारत अभियान को प्रमुख जागरूकता पहल के रूप में शुरू किया। इस कार्ययोजना में नशे की रोकथाम, उपचार और पुनर्वास पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री आज 45वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली, 12 नवम्बर।

भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) की ओर से आयोजित 45वां भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) 2026 नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 13 नवंबर को मुख्य अतिथि के रूप में मेले का उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन समारोह में पद्मश्री से सम्मानित गुरु माधवी मुद्गल और उनका समूह ओडिसी नृत्य की प्रस्तुति देगा।

इस वर्ष मेले की थीम 'विकास और विरासत' रखी गई है। इसमें भारत और विदेशों के 3,500 से अधिक प्रदर्शक हिस्सा लेंगे। मेले का आयोजन 17 हॉल में एक लाख वर्ग मीटर से अधिक के प्रदर्शनी क्षेत्र में होगा। इसमें 32 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ 51 केंद्रीय मंत्रालयों, सरकारी विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की भागीदारी होगी।

बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश को साझेदार राज्य बनाया गया है, जबकि असम, दिल्ली, झारखंड और पश्चिम बंगाल फोकस राज्य होंगे। ये राज्य अपने क्षेत्रीय उत्पादों, स्थानीय उद्योगों, पारंपरिक हस्तशिल्प, संस्कृति, पर्यटन की संभावनाओं और विकास से जुड़ी पहलों को प्रदर्शित करेंगे।

मेले में 11 देशों के प्रदर्शक भी शामिल होंगे। इनमें थाईलैंड, ईरान, घाना, नेपाल, अफगानिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, तुर्किये, चीन, श्रीलंका और बांग्लादेश शामिल हैं। इन देशों के पवेलियन के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय कारोबार और व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा देने के अवसर मिलेंगे।



आईटीपीओ के अध्यक्ष जवेद अशरफ ने कहा कि आईआईटीएफ 2026 भारत की प्रगति, विविधता और विरासत का उत्सव होगा। इसमें युवाओं और उद्यमिता पर विशेष ध्यान दिया गया है। हॉल ऑफ इंस्पिरेशन में लगभग 600 भारतीय स्टार्टअप अपने उत्पादों और नवाचारों का प्रदर्शन करेंगे। वहीं, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) पवेलियन में देश के विभिन्न जिलों के हस्तशिल्प, खानपान और संस्कृति को प्रदर्शित किया जाएगा।

मेले में हॉल नंबर–1 में विभिन्न देशों के पवेलियन होंगे, जबकि हॉल नंबर–2 से 5 तक साझेदार और फोकस राज्यों, केंद्रीय मंत्रालयों, सार्वजनिक उपक्रमों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के स्टॉल लगाए जाएंगे। हॉल नंबर–8 से 14 तक इलेक्ट्रॉनिक्स, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं, कपड़ा, जूते, रसोई उपकरण, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, मसाले, कृषि उत्पाद, हस्तशिल्प, फर्नीचर, सौंदर्य प्रसाधन और आभूषण जैसी विभिन्न श्रेणियों के उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे।

लंबित मुकदमों के निस्तारण के लिए शुरू होगा इवनिंग कोर्ट का पायलट प्रोजेक्ट–केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री

देवरिया, 11 नवंबर (हि.स.)।

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि देश की अदालतों में लंबित मुकदमों की संख्या कम करने के लिए सरकार इवनिंग कोर्ट का पायलट प्रोजेक्ट शुरू करने जा रही है। इसके साथ ही सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की सेवाएं लेने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग की दिशा में भी काम किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री बुधवार को बरपार में पूर्व सांसद एवं पूर्व उप थल सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल स्व. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद शहर के रामनाथ देवरिया स्थित वरिष्ठ अधिवक्ता नीरज मणि के आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश की न्याय व्यवस्था में मुकदमों का लंबित होना एक बड़ी चुनौती है। उच्चतम न्यायालय में 96 हजार से अधिक, देश के 25 उच्च न्यायालयों में करीब 70 लाख और जिला अदालतों, सीजेएम तथा जूनियर जजों की अदालतों में लगभग चार करोड़ 30 लाख मामले लंबित हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार ने पहली बार लंबित मुकदमों का समय के आधार पर विश्लेषण शुरू किया है। यह पता लगाया जा रहा है कि कौन सा मुकदमा कितने वर्षों से लंबित है। 30 और 40 साल पुराने मामलों को प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई में लाने का प्रयास किया जाएगा। कुछ मामलों में तो गवाहों का भी निधन हो चुका है, इसके बावजूद मुकदमे लंबित हैं। चेक बाउंस के मामलों की संख्या भी काफी अधिक है।

श्री मेघवाल ने बताया कि न्यायिक व्यवस्था में नवाचार के तहत नियमित अदालतों के समय के बाद इवनिंग कोर्ट शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। इसके लिए पायलट प्रोजेक्ट लाया जाएगा। शाम के समय भी तीन से चार घंटे अदालतें संचालित होंगी, जिससे लंबित मुकदमों के निस्तारण में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि कुछ अधिवक्ताओं को शाम का समय मुकदमों की तैयारी के लिए चाहिए, इसलिए इस व्यवस्था को लेकर उनका प्रतिरोध भी है। हालांकि नए अधिवक्ता इवनिंग कोर्ट में अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

केंद्रीय विद्यालयों की व्यवस्था होगी और डिजिटल, शुरू हुईं तीन नई पहल

नई दिल्ली, 12 नवम्बर (हि.स.)।

केंद्रीय विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के माता–पिता अब घर बैठे अपने बच्चों की उपस्थिति, पढ़ाई की प्रगति और परीक्षा परिणाम की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इतना ही नहीं, वे छुट्टी के लिए आवेदन करने से लेकर जरूरी प्रमाणपत्र बनवाने तक का काम भी ऑनलाइन कर सकेंगे। केंद्रीय विद्यालय संगठन ने शिक्षा व्यवस्था को तकनीक से जोड़ने और स्कूलों से जुड़ी सेवाओं को आसान बनाने के लिए तीन नई डिजिटल पहल शुरू की हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने 12 नवंबर को नई दिल्ली में इन तीनों पहलों का शुभारंभ किया। इनमें एआई से जुड़ा विद्या समीक्षा केंद्र, 'केवीएस संवाद' अभिभावक संपर्क ऐप एवं वेब पोर्टल और पूर्व विद्यार्थियों के लिए केंद्रीय विद्यालय पूर्व छात्र पोर्टल शामिल हैं। इन पहलों का उद्देश्य विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों और स्कूल प्रशासन के बीच संपर्क को बेहतर बनाना है। साथ ही, स्कूलों से जुड़ी जानकारियों और जरूरी सेवाओं को एक ही डिजिटल मंच पर उपलब्ध कराना है।

विद्या समीक्षा केंद्र और 'समीक्षा' एआई बॉट के जरिये अब स्कूलों की गतिविधियों और विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति पर लगातार नजर रखी जा सकेगी। यह केंद्र विद्यार्थियों और कर्मचारियों की उपस्थिति, पढ़ाई के प्रदर्शन, स्कूलों में उपलब्ध सुविधाओं और दाखिले से जुड़ी जानकारी के वास्तविक समय के आंकड़े उपलब्ध कराएगा। वहीं, इसमें शामिल 'समीक्षा' एआई बॉट इन आंकड़ों का विश्लेषण कर कमियों की पहचान करेगा और उनमें सुधार के लिए



जरूरी सुझाव देगा। इससे शिक्षा से जुड़े अधिकारी समय पर सही फैसले ले सकेंगे और स्कूलों की जरूरतों के अनुसार कदम उठा सकेंगे।

दूसरी पहल 'केवीएस संवाद' ऐप और वेब पोर्टल है, जिसे खास तौर पर अभिभावकों की सुविधा को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसके माध्यम से माता–पिता अपने बच्चों की रोजाना की उपस्थिति, पाठ्यक्रम की प्रगति, परीक्षा परिणाम और पढ़ाई से जुड़ी सामग्री देख सकेंगे। विद्यार्थियों के डिजिटल पहचान पत्र भी इस प्लेटफार्म पर उपलब्ध होंगे। अभिभावक यहां बोनाफाइड और बाल शिक्षा भत्ता प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इसके अलावा बच्चों की छुट्टी के लिए आवेदन करने और विद्यार्थी व शिक्षक की डायरी देखने की सुविधा भी मिलेगी। इससे छोटे–छोटे कामों के लिए बार–बार स्कूल जाने और कागजी कार्रवाई की जरूरत कम होगी। साथ ही अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संवाद भी बेहतर होगा।

19वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का कोलकाता में होगा आयोजन, वेबसाइट लॉन्च

नई दिल्ली, 12 नवम्बर।

19वां प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) सम्मेलन पश्चिम बंगाल सरकार की भागीदारी के साथ 7 से 9 जनवरी 2027 तक कोलकाता में आयोजित किया जाएगा। इसी क्रम में सम्मेलन की वेबसाइट आधिकारिक pbdindia.gov.in 11 नवंबर 2026 को नई दिल्ली में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने संयुक्त रूप से लॉन्च किया।

भारतीय प्रवासी दिवस सम्मेलन भारत सरकार का प्रमुख कार्यक्रम है, जो दुनिया भर में फैले भारतीय प्रवासियों (डायस्पोरा) के साथ जुड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। हर साल 9 जनवरी को मनाया जाने वाला यह दिवस महात्मा गांधी की 1915 में दक्षिण अफ्रीका से भारत वापसी की याद दिलाता है। 19वां प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) सम्मेलन दुनिया भर के भारतीय प्रवासियों को एक साथ लाएगा ताकि वे अपनी उपलब्धियों का जश्न मना सकें और भारत से संबंध मजबूत करने के साथ–साथ देश के विकास में योगदान के नए रास्ते तलाश सकें।

इस बार सम्मेलन की थीम है – 'अपने जड़ों की ओर



वापसीः भारत के साथ प्रवासी समुदाय के जुड़ाव को फिर से जगाना' (Return to Roots: Reigniting the Diaspora Connect with Bharat)। यह थीम प्रवासियों के सांस्कृतिक और भावनात्मक संबंधों को मजबूत करने तथा युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से दोबारा जोड़ने पर जोर देती है।

तीन दिवसीय सम्मेलन की शुरुआत 'युवा प्रवासी भारतीय दिवस' से होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका उद्घाटन करेंगे। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु समापन सत्र की अध्यक्षता करेंगी और प्रतिष्ठित 'प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार' प्रदान करेंगी। ये पुरस्कार प्रवासियों के असाधारण योगदान को मान्यता देते हैं।

वर्ल्ड टेनिस लीग का पांचवां सत्र 17 से 20 दिसंबर तक, बेंगलुरु करेगा मेजबानी

बेंगलुरु, 12 नवंबर (हि.स.)।

वर्ल्ड टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) का पांचवां सत्र 17 से 20 दिसंबर तक बेंगलुरु में आयोजित होगा। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता में अंतरराष्ट्रीय टेनिस सितारों के साथ भारत के शीर्ष और उभरते खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन केएसएलटीए के एस.एम. कृष्णा टेनिस स्टेडियम में किया जाएगा। आइकोनिक स्पोर्ट्स एंड इवेंट्स द्वारा लाइसेंस प्राप्त और संचालित यह लीग अपने पांचवें सत्र में प्रवेश कर रही है। आयोजकों के अनुसार, पिछले पांच सत्रों में इस लीग ने अंतरराष्ट्रीय टेनिस के कई बड़े नामों को एक मंच पर लाकर भारतीय टेनिस प्रतियोगिताओं में अपनी अलग पहचान बनाई है। पिछले सत्र में हिस्सा लेने वाले कई खिलाड़ी एक बार फिर डब्ल्यूटीएल में वापसी करेंगे। इनमें पाउला बडोसा, युकी भांबरी, सुमित नागल, दक्षिणेश्वर सुरेश, माया राजेश्वरन रेवती और श्रिवल्ली भामिदिपति शामिल हैं। इनके अलावा इस सत्र में स्थापित अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों और उभरती प्रतिभाओं का मिश्रण देखने को मिलेगा। आयोजकों



के अनुसार, वैश्विक स्तर पर बढ़ती लोकप्रियता और भारत में मजबूत होते टेनिस ढांचे के बीच डब्ल्यूटीएल अंतरराष्ट्रीय टेनिस को भारतीय प्रशंसकों के करीब लाने का मंच बन रही है। साथ ही यह भारतीय उभरते खिलाड़ियों को वैश्विक स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी देती है। पांचवें सत्र के खिलाड़ियों और टीमों की पूरी सूची आने वाले दिनों में घोषित की जाएगी।

सिर्फ एक दयालु कदम बदल सकता है पूरी दुनिया, जानिए विश्व दयालुता दिवस का इतिहास और महत्व

नई दिल्ली, 12 नवम्बर।

आज के समय में जब इंसान भावनाओं से अधिक सुविधाओं में उलझ गया है, तब दयालुता वह शक्ति है जो हमें इंसान बनाए रखती है। दयालुता केवल एक गुण नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। जब हम दूसरों के साथ संवेदनशील व्यवहार करते हैं, तो हम दुनिया को बेहतर जगह बना रहे होते हैं। इसी संदेश को दुनिया भर में फैलाने के लिए हर साल 13 नवंबर को विश्व दयालुता दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि छोटी–सी सहानुभूति भी किसी के जीवन में बड़ी रोशनी बन सकती है।

हर साल वर्ल्ड काइंडनेस डे 13 नवंबर को पूरी दुनिया में मनाया जाता है। इस दिन लोगों को प्रेरित किया जाता है कि वे दूसरों के प्रति दया, करुणा और मदद का भाव रखें। चाहे वह कोई जानवर हो, इंसान या प्रकृति हो।

विश्व दयालुता दिवस की शुरुआत 13 नवंबर 1998 को विश्व दयालुता आंदोलन के तहत हुई। यह संगठन 1997 में टोक्यो जापान में बना था, जब विभिन्न देशों के सामाजिक समूहों और संगठनों ने यह निर्णय लिया कि दुनिया में प्रेम और करुणा का संदेश फैलाने के लिए एक वैश्विक दिन होना चाहिए।

इसके बाद 2000 के दशक में यह आंदोलन कई देशों में फैल गया जिनमें ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, भारत, इटली, नाइजीरिया, सिंगापुर, यूके और यूएसए प्रमुख हैं। 2019 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा इसे वैश्विक स्तर पर मान्यता मिली, ताकि इसे सभी देशों में आधिकारिक तौर पर मनाया जा सके।



विश्व दयालुता दिवस का महत्व

मानवता का आधार यानी दयालुता ही वह सूत्र है जो समाज को जोड़ता है।

मानसिक स्वास्थ्य में सुधार लाती है। जब आप किसी के प्रति दया दिखाते हैं, तो ऑक्सिटोसिन नामक 'हैप्पी हार्मोन' बढ़ता है, जिससे तनाव कम होता है।

सामाजिक एकता के लिए महत्वपूर्ण है। यह दिन हर वर्ग, धर्म और देश के लोगों को एक सूत्र में बांधता है।

सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार करता है। दयालु व्यवहार से एक व्यक्ति कई लोगों के जीवन को रोशन कर सकता है।

विश्व दयालुता दिवस कैसे मनाएं?

किसी जरूरतमंद की मदद करें, बिना पहचान के।

पेड़ लगाएं और पर्यावरण के प्रति दयालु बनें।

जानवरों के लिए पानी या खाना रखें।

अपने आस–पास के बुजुर्गों से बात करें, उनका हाल पूछें।

इतिहास के पन्नों में 13 नवंबर : 1975 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एशिया को चेचक मुक्त घोषित किया

नई दिल्ली, 12 नवम्बर।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस दिन एशिया को चेचक मुक्त क्षेत्र घोषित किया था। यह मानव इतिहास में सबसे बड़ी स्वास्थ्य उपलब्धियों में से एक मानी जाती है। चेचक एक घातक संक्रामक बीमारी थी जिसने सदियों तक लाखों लोगों की जान ली। 1960 के दशक में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वैश्विक चेचक उन्मूलन अभियान शुरू किया था, जिसके तहत व्यापक टीकाकरण और निगरानी कार्यक्रम चलाए गए।

भारत सहित एशियाई देशों ने इस अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत में आखिरी चेचक का मामला 1975 में बिहार के खगड़िया जिले में दर्ज किया गया था। इसके बाद सफल टीकाकरण और निगरानी के चलते एशिया को चेचक मुक्त घोषित किया गया। 1980 में संगठन ने पूरे विश्व को चेचक मुक्त घोषित किया, जिससे यह बीमारी अब पूरी तरह समाप्त हो चुकी है।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1898– काली पूजा के अवसर पर पूज्य माता श्री शारदा देवी ने निवेदिता के विद्यालय का उद्घाटन किया।

1918– ऑस्ट्रिया गणराज्य बना।

1950– तिब्बत ने चीनी आक्रमण के ख़िलाफ़ संयुक्त राष्ट्र में अपील की।

1968– पाकिस्तान में जुल्फिकार अली भुट्टो को गिरफ्तार किया गया।

1971 – अमेरिकी अंतरिक्ष संस्थान नासा द्वारा भेजा गया यान मरीनर 9 मंगल ग्रह की कक्षा में पहुँचा।

1971 – अमेरिकी विमान मैरिनर–9 ने मंगल ग्रह का चक्कर लगाया।

1975 – विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एशिया के चेचक मुक्त होने की घोषणा की।

1985 – पूर्वी कोलंबिया में ज्वालामुखी फटने के कारण करीब 23,000 लोग मारे गए थे।

1997 – सुरक्षा परिषद ने इराक पर यात्रा प्रतिबंध लगाया।

1998 – चीन के विरोध के बावजूद दलाई लामा और अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने मुलाकात की।

2004 – अमेरिकी राष्ट्रपति बुश ने फ़िलिस्तीनी राष्ट्र के निर्माण के लिए चार साल का समय निर्धारित किया।

2005 – आतंकवाद के सफाये और दक्षिण कोरिया को विकसित आर्थिक विश्व के मानचित्र में शामिल करने के लिए क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ाने के भारत के आह्वान पर सहमति के साथ दक्षेस का 13वाँ शिखर सम्मेलन सम्पन्न।

2005 – दक्षेस का 14वां शिखर सम्मेलन भारत में करने का निर्णय।

निविदा रद्द सूचना

No. WF-935/DB/WSD/2026-27/3436 dated the 12th Nov.2026

संशोधित एनआइटी संख्या 205/Tech/SE(P)/CE/2026-27

कार्य का नाम : एसवीपीएमसी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर अलग–अलग क्षमता वाले विकेंद्रीकृत STP (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) टेंडर आईडी: 2026_APWD_25858_1

इस कार्यालय के नोटिस संख्या DB-Tender/Elect/WSD/2026-27/3411 (दिनांक 10/11/2026) के माध्यम से जारी ई–निविदा को प्रशासनिक कारणों से रद्द किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता, कार्यशाला मण्डल
अ॰लो॰नि॰वि॰ श्री विजय पुरम

F.No. 1-/25-SHEW/DSW/2024-2025/
अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन
समाज कल्याण निदेशालय, गोलघर, श्री विजय पुरम

अभिरुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रण हेतु अंतिम तिथि में विस्तार

समाज कल्याण निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन की वेबसाइट पर उल्लिखित अभिरुचि की अभिव्यक्ति (Expression of Interest - EOI) हेतु आवेदन प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 25 नवम्बर, 2026 तक कर दिया गया है। अधिक जानकारी के लिए आवेदकों से अनुरोध है कि वे नीचे दिए गए लिंक पर उपलब्ध विवरण देखें: https://share.google/sJY7CgXB7MlnNuLVi

नोडल अधिकारी (SHEW)
अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन

शपथ पत्र

मैं, पी सुबुरा बेगम, पत्नी श्री अब्दुल शकूर, निवासी ब्रिंदाबन गाँव, तहसील फरारगंज, जिला दक्षिण अण्डमान, एतद् द्वारा सत्यनिष्ठापूर्वक शपथ लेकर निम्नलिखित घोषणा करती हूँ :–

1. यह कि मैं उपर्युक्त पते की स्थायी निवासी हूँ।
2. यह कि मेरे शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम त्रुटिवश पी सुबुरा बेगम के स्थान पर सबुरा बेगम दर्ज हो गया है।
3. यह कि मेरा सही एवं वास्तविक नाम पी सुबुरा बेगम है।
4. यह कि पी सुबुरा बेगम एवं सबुरा बेगम दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं तथा दोनों एक ही एवं अभिन्न व्यक्ति को दर्शाते हैं।
5. यह कि मैं एतद् द्वारा सत्यनिष्ठापूर्वक शपथ लेकर यह घोषणा करती हूँ कि मेरा सही नाम पी सुबुरा बेगम है तथा आज की तारीख से भविष्य में सभी प्रयोजनों एवं कार्यों हेतु इसी नाम का उपयोग किया जाएगा।

अतः उपर्युक्त वर्णित सभी कथन मेरी जानकारी एवं विश्वास के अनुसार पूर्णतः सत्य एवं सही हैं तथा इनमें कुछ भी असत्य या छिपाया नहीं गया है।

दिनांक : 10.11.2026
स्थान : श्री विजय पुरम

शपथकर्ता

शपथ पत्र

मैं संख्या 2615739 जॉन पिटर किरो, रैंक हवलदार, 172 आइ इन एफ बी एन (टी ए), मद्रास रेजिमेंट, ब्रिजगंज मिलिट्री स्टेशन, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह – 744103 एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान और घोषणा करता हूँ :

1. कि मेरा सही नाम जॉन पिटर किरो है जो मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य दस्तावेजों में दर्ज है जो मेरे पास उपलब्ध है।
2. कि मेरे सेवा अभिलेखों में मेरा नाम गलती से मेरे सही नाम जॉन पिटर किरो के स्थान पर जॉन पिटार किरो दर्ज किया गया है।
3. कि दोनों नाम जॉन पिटर किरो और जॉन पिटार किरो एक ही समान व्यक्ति है और जो मुझसे संबंधित है।
4. कि मैं यह शपथ मेरे सेवा पुस्तिका और संबंधित आधिकारिक अभिलेखों में मेरा सही नाम जॉन पिटर किरो दर्ज करने के लिए कर रहा हूँ इसलिए यह शपथ पत्र कर रहा हूँ।

कि उपरोक्त बयान मेरी जानकारी और विश्वास में सत्य और सही है।

अभिसाक्षी

शपथ पत्र

मैं, सेन्थीलराज सुपुत्र अरुमुगम, उम्र लगभग 41 वर्ष निवासी इंदिरा नगर, मंग्लूटान, दक्षिण अण्डमान जिला, एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान और घोषणा करता हूँ :

1. कि मैं भारतीय नागरिक हूँ और उपरोक्त पत्ते का स्थायी निवासी हूँ।
2. कि मेरे समाप्त हो चुके पासपोर्ट संख्या M4283837 में मेरे नाम और मेरे माताजी के नाम को लेकर कुछ विसंगतियाँ हैं।
3. कि उक्त में समाप्त हो चुके पासपोर्ट में मेरा नाम गलती से सेन्थीलराज के स्थान पर सेन्थीलराज अरुमुगम दर्ज किया गया है जबकि मेरा सही, मूल और कानूनी नाम सेन्थीलराज है।
4. कि वही समाप्त हो चुके पासपोर्ट में मेरे माताजी का नाम गलती से बेवकियम अरुमुगम के स्थान पर बावकियम दर्ज किया गया है जबकि मेरा माताजी का सही, मूल और कानूनी नाम बेवकियम अरुमुगम है।
5. कि सेन्थीलराज अरुमुगम और सेन्थीलराज एक ही समान व्यक्ति है जो मुझसे संबंधित है इसी तरह बावकियम और बेवकियम अरुमुगम एक ही समान व्यक्ति है जो मेरी माताजी है।
6. कि मुझे अपने पासपोर्ट के नवीनीकरण और अन्य सभी आधिकारिक कार्यों के लिए, अपने पासपोर्ट रिकार्ड में इन नामों को ठीक करवाने की आवश्यकता है।

कि यह शपथ पत्र मेरी जानकारी और विश्वास में सत्य और सही है इसमें किसी भी तथ्य को छुपाया नहीं गया है।

दिनांक : 10.09.2026
स्थान : श्री विजय पुरम

अभिसाक्षी

सुनीता विलियम्स बनीं न्यूयॉर्क वेटरन्स डे परेड की ग्रैंड मार्शल, मिला बड़ा सम्मान

वॉशिंगटन, 12 नवम्बर।

भारतीय–अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री और नौसेना की सेवानिवृत्त कैप्टन सुनीता विलियम्स को न्यूयॉर्क की वार्षिक वेटरन्स डे (पूर्व सैनिक दिवस) परेड में ग्रैंड मार्शल के रूप में सम्मानित किया गया। उन्होंने बुधवार (स्थानीय समय) को मैनहट्टन के फिफ्थ एवेन्यू पर करीब 20,000 लोगों की परेड का नेतृत्व किया।

सुनीता विलियम्स ने इस सम्मान को 'बहुत बड़ा सम्मान' बताया। उन्होंने कहा, "नौसेना में बिताए समय ने मुझे वह बनाया है जो मैं आज हूं और इसने मुझे आगे आने वाली हर चुनौती के लिए तैयार किया। मुझे गर्व है कि मैं न्यूयॉर्क के लोगों और पूरे अमेरिका के नागरिकों के साथ मिलकर हर पीढ़ी के पूर्व सैनिकों की सेवा, बलिदान और समर्पण का सम्मान कर रही हूं।"

नासा से जुड़ने से पहले सुनीता विलियम्स टेस्ट पायलट थीं। उन्होंने अंतरिक्ष में तीन मिशनों के दौरान कुल 608 दिन बिताए। एक महिला अंतरिक्ष यात्री के रूप में उन्होंने नौ बार स्पेस वॉक का रिकॉर्ड बनाया, जिसमें कुल 62 घंटे अंतरिक्ष में बिताए।

यह 107वीं वार्षिक वेटरन्स डे परेड थी, जिसमें हजारों पूर्व सैनिक, सशस्त्र बल, कानून प्रवर्तन एजेंसियां, सामुदायिक समूह, स्कूल और कई बैंड शामिल हुए। कंपनियों की झांकियों में उनके यहां काम करने वाले पूर्व सैन्य कर्मियों को भी प्रदर्शित किया गया।

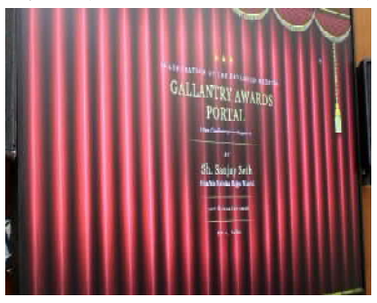
परेड से एक दिन पहले सुनीता विलियम्स ने यूएसएस सैन एंटोनियो जहाज पर मरीन कॉर्प्स की स्थापना की 251वीं वर्षगांठ के कार्यक्रम में भाग लिया।

वीरता पुरस्कार पोर्टल के नए स्वरूप का शुभारंभ

नई दिल्ली, 12 नवंबर।

रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने गुरुवार को वीरता पुरस्कार पोर्टल https://gallantryawards.gov.in के नए स्वरूप का शुभारंभ किया, जो वीरता पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं के साहस और सर्वोच्च बलिदान को सम्मानित करने और उनकी विरासत को भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने के उद्देश्य से शुरू की गई एक डिजिटल पहल है।

इस नए पोर्टल में नागरिकों के लिए



बेहतर और सुविधाजनक यूजर इंटरफेस और अनुभव उपलब्ध कराया गया है, जिसमें सहज नेविगेशन, रिस्पॉन्सिव डिजाइन और बेहतर एक्सेसिबिलिटी शामिल है। इसके प्रमुख अनुभागों में इवेंट्स, मेमोरियल्स एंड म्यूजियम्स, वॉरपीडिया, अवॉर्डीज़, गैलेंट्रीपीडिया (आर्टिकल्स), मीडिया और एक इंटरैक्टिव ट्रिब्यूट सेक्शन शामिल हैं, जो नागरिकों को देश के सैन्य इतिहास को जानने और वीर योद्धाओं को श्रद्धांजलि अर्पित करने में सक्षम बनाते हैं।

पोर्टल में वीर गाथा कार्यक्रम के लिए एक समर्पित डिजिटल स्थान भी है, जिसमें प्रत्येक संस्करण के लिए एक अलग पृष्ठ है। इन पृष्ठों में कार्यक्रम का परिचय, विषयवस्तु, समयसीमा, मूल्यांकन मानदंड, पुरस्कार, संसाधन, परिणाम, अभिनंदन समारोह, मीडिया गैलरी और छात्र गतिविधियों से संबंधित जानकारी एक साथ दी गई है।

इस पहल का उद्देश्य छात्रों को वीरता पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं की कहानियों से जोड़ना है, जिससे उन्हें भारत के सैन्य कर्मियों के साहस और बलिदान के बारे में जानने में मदद मिले और वे अपनी प्रविष्टियों के माध्यम से अपनी समझ को व्यक्त कर सकें।

कार्यक्रम की शुरुआत के बाद से इसका काफी विस्तार हुआ है। पहले संस्करण में लगभग आठ लाख छात्र और 4,788 स्कूल शामिल थे, जबकि पांचवें संस्करण में यह बढ़कर 1.92 करोड़ से अधिक छात्र और 1.9 लाख स्कूल हो गए हैं। इसमें 18 देशों के 91 सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों के 28,005 छात्र भी शामिल हैं।

इस नए पोर्टल का उद्देश्य स्वतंत्रता के बाद से वीरता पुरस्कारों, पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं, युद्धों और सैन्य अभियानों से संबंधित जानकारी का एक व्यापक और प्रामाणिक डिजिटल भंडार स्थापित करना है। इसका लक्ष्य देशभक्ति को बढ़ावा देना और विशेष रूप से युवाओं के बीच भारत की सैन्य विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है।

इस शुभारंभ के अवसर पर रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और रक्षा मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

–पीआईबी

वायु सेना कमांडर कामिकेज ड्रोन ऑपरेशंस के लिए हमेशा तैयार रहें– रक्षा मंत्री

नई दिल्ली, 12 नवंबर (हि.स.)।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को सेनाओं से आग्रह किया कि वे 'एलीमेंट ऑफ सरप्राइज' को मजबूत बनाए रखें, ताकि तेजी से हो रही टेक्नोलॉजी में तरक्की और मॉडर्न युद्ध की बदलती प्रकृति से पैदा होने वाले पारंपरिक और नए खतरों के खिलाफ ऑपरेशनल तैयारी बनी रहे। उन्होंने इंटेलिजेंस और सर्विलांस क्षमताओं को लगातार मजबूत करने, सिस्टम के बीच इंटीग्रेशन बढ़ाने और संभावित खतरों को सामने आने से पहले पहचानने की जरूरत पर भी जोर दिया। साथ ही ऑपरेशन, एडमिनिस्ट्रेशन और एयरोस्पेस सुरक्षा के लिए विकसित एआई एप्लिकेशन भी लॉन्च किए।



नई दिल्ली में एयरफोर्स कमांडर्स कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने निगरानी और काउंटर–ड्रोन अभियानों को लेकर उच्चस्तर की तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी डिफेंस फोर्स को ऐसी काबिलियत और तरीके बनाने चाहिए, जिनसे दुश्मन को रिएक्ट करने या संभलने का समय ही न मिले और यह भी पक्का करना चाहिए कि दुश्मन की किसी अचानक हरकत से हम कभी हैरान न हों। सरप्राइज कई तरह से हो सकता है, पारंपरिक और इलेक्ट्रॉनिक दोनों तरह से। हमारे इंटेलिजेंस और सर्विलांस सिस्टम को और मजबूत करना होगा और ऑपरेशनल तैयारी को बढ़ाना होगा ताकि यह पक्का हो सके कि हमारे लोग किसी भी नई चुनौती का असरदार तरीके से जवाब देने के लिए अलर्ट, फुर्तीले और तैयार रहें।

राजनाथ सिंह ने कहा कि आजकल की लड़ाइयां पारंपरिक लड़ाई के मैदानों से आगे बढ़कर नॉन–कॉन्टैक्ट डोमेन तक फैल रही हैं, जिसमें मिसाइल, ड्रोन और एडवांस्ड वेपन सिस्टम अहम भूमिका निभा रहे हैं। रूस–यूक्रेन और इज़राइल–हमास लड़ाइयों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ड्रोन और एयर डिफेंस सिस्टम मॉडर्न लड़ाई के जरूरी हिस्से बनकर उभरे हैं। रक्षा मंत्री ने भारतीय वायु सेना से इलेक्ट्रॉनिक, साइबर और स्पेस समेत लड़ाई के नए डोमेन के लिए खास सिद्धांत और आर्किटेक्चर बनाने को कहा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन डोमेन में बेहतर तैयारी से भविष्य की चुनौतियों से निपटने की क्षमता मजबूत होगी।

उन्होंने कहा कि भविष्य की लड़ाइयों में जीत सिर्फ एयरक्राफ्ट की संख्या पर ही नहीं बल्कि टेक्नोलॉजी की सोफिस्टिकेशन, जवाब देने की स्पीड और तैयारी की सटीकता पर भी निर्भर करेगी। उन्होंने कमांडरों से इन नई चुनौतियों को मुख्य प्राथमिकता बनाने और ऑपरेशनल में शामिल करने पर ध्यान देने को कहा। राजनाथ सिंह ने बताया कि डिफेंस फोर्सेज बदलाव के दौर से गुजर रही हैं, जिसमें ऑर्गेनाइजेशनल स्ट्रक्चर, जॉइंटनेस और इंटीग्रेशन और ऑपरेशनल कॉन्सेप्ट जैसे बड़े एरिया में सुधार शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि बदलते सिक्योरिटी माहौल के लिए लगातार बदलाव और मिलिट्री तैयारियों के लिए आगे की सोच वाला नजरिया जरूरी है।

भारत और ब्राज़ील ने सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल विकसित करने के लिए मिलाया हाथ, नई अंतरिक्ष साझेदारी

नई दिल्ली, 12 नवम्बर।

भारत और ब्राज़ील अपने लंबे अंतरिक्ष सहयोग को एक नए स्तर पर ले जा रहे हैं। दोनों देशों की कंपनियों ने मिलकर ऐसा सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल विकसित करने पर सहमति जताई है, जो कम से कम 100 किलोग्राम पेलोड को लो अर्थ ऑर्बिट (पृथ्वी की निचली कक्षा) तक ले जाने में सक्षम होगा। यह समझौता अक्टूबर में मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (डवन) के जरिए हुआ। इस पर ब्राज़ील के माइक्रो लॉन्चर प्रोग्राम कंसोर्टियम की सदस्य कंपनी कॉन्सर्ट टेक्नोलॉजीज और भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस ने हस्ताक्षर किए।

यह डवन तुर्की के अंताल्या में आयोजित इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉटिकल कांग्रेस 2026 के दौरान हस्ताक्षरित हुआ। समारोह में ब्राज़ील के सीनेटर और अंतरिक्ष यात्री मार्कोस पोंटेस तथा ब्राज़ीलियाई अंतरिक्ष एजेंसी के अध्यक्ष मार्को एंटोनियो चैमोन भी मौजूद रहे।

प्रस्तावित लॉन्च व्हीकल ब्राज़ील के माइक्रो लॉन्चर प्रोग्राम (40 किलोग्राम तक पेलोड) और स्काईरूट के बड़े विक्रम रॉकेट परिवार के बीच की खाई को पाटेगा। इसमें इक्वेटोरियल लॉन्च (भूमध्यरेखीय प्रक्षेपण) के अवसर भी शामिल होंगे। हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पेस भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की प्रमुख कंपनी है। 2018 में स्थापित इस कंपनी ने 2022 में विक्रम–I के साथ पहली भारतीय निजी कंपनी के रूप में



रॉकेट लॉन्च किया। जुलाई 2026 में विक्रम–1 के सफल ऑर्बिटल लॉन्च ने इसकी क्षमताओं को और मजबूत किया।

दो साल के इस डवन के तहत दोनों पक्ष तकनीकी जरूरतों, व्यावसायिक अवसरों और सैटेलाइट सिस्टम तथा लो अर्थ ऑर्बिट कॉन्स्टेलेशन में संभावित सहयोग का आकलन करेंगे। निवेश, उपकरण आपूर्ति और व्यावसायीकरण के लिए अलग समझौते किए जाएंगे।

यह साझेदारी भारत और ब्राज़ील के दो दशकों से अधिक पुराने अंतरिक्ष सहयोग पर आधारित है। इससे पहले भारत ने ब्राज़ील के अमेज़ोनिया–1 उपग्रह को अपने प्रक्षेपण बुनियादी ढांचे से लॉन्च किया था। यह समझौता वैश्विक वाणिज्यिक अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका को भी दर्शाता है। (इनपुट–एजेंसी)

समुद्र में उतरने से पहले वर्चुअल समंदर में होगा जहाजों का इम्तिहान, आईआईटी मद्रास ने बनाया 'सीनैव'

नई दिल्ली, 12 नवम्बर (हि.स.)।

अब जहाजों का समुद्र में उतरने से पहले वर्चुअल समंदर में इम्तिहान होगा। 'सीनैव' तकनीक को वास्तविक समुद्र में उतारने से पहले परखने की चुनौती का समाधान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी),मद्रास के शोधकर्ताओं ने खोजा है। दरअसल, भविष्य की जहाजरानी में इन सवालों के जवाब कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित स्वायत्त प्रणालियां दे सकती हैं। संस्थान ने 'सीनैव' नाम का रियल टाइम डिजिटल ट्विन प्लेटफॉर्म विकसित किया है, जो समुद्र, जहाजों, लहरों, सेंसरों और पोत यातायात का आभासी प्रतिरूप तैयार कर स्वायत्त जहाजों की नेविगेशन प्रणालियों का परीक्षण, सत्यापन और प्रशिक्षण संभव बनाता है।



इसके साथ ही आगे के लिए यह विश्वास पैदा हुआ है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वर्चुअल रियलिटी और अत्याधुनिक सेंसर फ्यूजन से लैस यह तकनीक भारत को भविष्य की स्मार्ट जहाजरानी के क्षेत्र में नई ताकत दे सकती है। आईआईटी मद्रास के महासागर इंजीनियरिंग विभाग ने यह प्लेटफॉर्म ऐसी चुनौती के समाधान के लिए विकसित किया है, जिसमें स्वायत्त जहाजों की नेविगेशन प्रणाली को वास्तविक समुद्र में उतारने से पहले सुरक्षित और विश्वसनीय तरीके से परखा जा सके। समुद्र में परीक्षण के लिए विशाल जहाज, विशेषज्ञ दल, ईंधन, समय और अनुकूल परिस्थितियों की जरूरत पड़ती है। किसी तकनीकी चूक से जहाज, माल, पर्यावरण और मानव जीवन पर गंभीर खतरा पैदा हो सकता है। 'सीनैव' इस पूरी प्रक्रिया को आभासी वातावरण में ले जाता है।

इसमें समुद्र की लहरें, जहाजों की गतिविधियां, मौसम, सेंसरों के संकेत और आसपास चल रहे दूसरे पोतों का यातायात वास्तविक समय में तैयार किया जा सकता है। शोधकर्ता अलग–अलग परिस्थितियां बनाकर जांच सकते हैं कि स्वायत्त प्रणाली किस तरह निर्णय लेती है और कठिन परिस्थितियों में उसका प्रदर्शन कैसा रहता है।

उल्लेखनीय है कि शोध दल ने वास्तविक सेंसर इनपुट और समुद्री तरंगों की परिस्थितियों में स्वायत्त पथ–अनुसरण तथा एआई आधारित टक्कर बचाव का प्रदर्शन किया है। यह इस अनुसंधान की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसका अर्थ है कि जहाज की दिशा तय करने और संभावित टक्कर से बचने वाली प्रणाली को वास्तविक समुद्री चुनौतियों के अनुरूप परखने की दिशा में कामयाबी मिली है।

भारत–श्रीलंका नवाचार मंच का शुभारंभ

नई दिल्ली, 12 नवम्बर। भारत–श्रीलंका इनोवेशन फोरम का आज कोलंबो में शुभारंभ हुआ। यह फोरम एक अनौपचारिक व्यापार–केंद्रित मंच है जो दोनों देशों के व्यापारिक नेताओं, स्टार्टअप संस्थापकों, इनक्यूबेटरों और निवेशकों को एक साथ लाता है। इसका उद्देश्य बढ़ते सहयोग को ठोस व्यावसायिक अवसरों में बदलना है। इस पहल के पीछे का विचार एक ऐसा सतत मंच तैयार करना है जहां उद्यमी, निवेशक और स्थापित कंपनियां एक साथ आ सकें, विशेषज्ञता साझा कर सकें और मार्गदर्शन और सहयोग से प्राप्त नवीन विचारों को वास्तविक वाणिज्यिक परियोजनाओं में बदल सकें। पिछले तीन वर्षों में, भारत और श्रीलंका ने स्टार्टअप और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अपनी भागीदारी को काफी बढ़ाया है। अब, एक समर्पित मंच व्यवसायों, निवेशकों और नवोन्मेषकों को एक साथ लाने और इन संबंधों को बाजार के अवसरों और निवेशों में बदलने में मदद करेगा।

AFFIDAVIT / SELF DECLARATION

I, VENKATARAMANA is legally father of NO. 15744316L, RANK - NK, NAME - MAJJI ANILKUMAR who presently serving in INDIAN ARMY permanently residing at VILL - CHIDIMI DARI SEETHARAMARAJUPETA, TEH-VEERAGHATTAM, DISTT-SRIKAKULAM, STATE-AP, PIN-532460. Presently serving in 108 MTN BDE SIG COY, C/O 99 APO, BRICHGUNJ MIL STN, SRI VIJAYA PURAM, PIN-744103 do hereby solemnly affirm and state on oath as follows:

a) That my name is included in my son service record as VENKATARAMANA. However my name as per my Aadhar card and other document is MAJJI VENKATA RAMAN, and I wish to record my name as MAJJI VENKATA RAMAN.

b) That my Date of Birth is included in my son service record as 12/06/1971. However my Date of Birth as per my Aadhar card and other document is 01/01/1971, and I wish to record my Date of Birth as 01/01/1971.

c) That I am producing this Affidavit for the purpose of evidence for my correct name and date of birth.

d) That both name VENKATARAMANA and MAJJI VENKATA RAMAN pertaining to one and the same person.

e) That what is stated above is true and correct to best of my knowledge information and belief. Nothing material has been concealed there from.

VERIFICATION

I, the deponent above named, do hereby solemnly declare and verify that the content of the above affidavit are true to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed or supressed there from.

Date: - 12th Nov 2026
Place: Sri Vijaya Puram

Deponent

AFFIDAVIT / SELF DECLARATION

I, SUBBALAKSHMI is legally father of NO. 15744316L, RANK - NK, NAME - MAJJI ANILKUMAR who presently serving in INDIAN ARMY permanently residing at VILL - CHIDIMI DARI SEETHARAMARAJUPETA, TEH-VEERAGHATTAM, DISTT-SRIKAKULAM, STATE-AP, PIN-532460. Presently serving in 108 MTN BDE SIG COY, C/O 99 APO, BRICHGUNJ MIL STN, SRI VIJAYA PURAM, PIN-744103 do hereby solemnly affirm and state on oath as follows:

a) That my name is included in my son service record as SUBBALAKSHMI. However my name as per my Aadhar card and other document is MAJJI LAXMI, and I wish to record my name as MAJJI LAXMI.

b) That my Date of Birth is included in my son service record as 23/05/1976. However my Date of Birth as per my Aadhar card and other document is 01/01/1976, and I wish to record my Date of Birth as 01/01/1976.

c) That I am producing this Affidavit for the purpose of evidence for my correct name and date of birth.

d) That both name SUBBALAKSHMI and MAJJI LAXMI pertaining to one and the same person.

e) That what is stated above is true and correct to best of my knowledge information and belief. Nothing material has been concealed there from.

VERIFICATION

I, the deponent above named, do hereby solemnly declare and verify that the content of the above affidavit are true to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed or supressed there from.

Date: - 12th Nov 2026
Place: Sri Vijaya Puram

Deponent